हाथरस से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
'भव्य प्रभात'
विज्ञापन व समाचार के लिये सम्पर्क करें–
कार्यालय
7–ऊपरी मंजिल बागला डिग्री कालेज,हाथरस
9319426268,9410427880
Email:-bhavyaprabhat@gmail.com

हाथरस से प्रकाशित दैनिक
भव्य प्रभात
खबर,सच्चाई के साथ

वर्ष 17, अंक 130 | 08 मई 2024 बुधवार हाथरस | पृष्ठ 8 | मूल्य–2/–रूपये स्वागत मूल्य 1/–रूपये

'कांग्रेस ने बाबा साहेब की पीठ में छुरा घोंपा'

● एमपी में कहा- हमें 400 सीटें चाहिए ताकि मैं कांग्रेस-इंडी की हर साजिश को रोक सकूं

● मुसलमानों को आरक्षण का समर्थन कर इंडी ने अपने इरादे जाहिर किएः मोदी

मैंने कांग्रेस के दिमाग का एक्सरे किया है

● पीएम मोदी ने कहा- शहजादे तो ऐसी चीज लेकर आए हैं कि दुनिया में ऐसा कोई सोच ही नहीं सकता। वो कहते हैं आपकी संपत्ति का एक्सरे करेंगे। मैंने कांग्रेस का सबका एक्सरे करके रखा है। उनके दिमाग का एक्सरे किया है।

कांग्रेस का पाक प्यार चरम पर पहुंच गया है

● पीएम मोदी ने कहा - ये लोग देश में आग लगाने की बातें कर रहे हैं। कांग्रेस-INDI गठबंधन को आस्था और देशहित की परवाह है। कांग्रेस का पाकिस्तान प्यार चरम पर पहुंच रहा है। कांग्रेस के एक पूर्व सीएम ने कहा- हमारी सेना आतंकी हमले करती है, पाकिस्तान तो निर्दोष है।

धार,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज किसी नेता का नाम लिए बगैर कहा कि इंडी गठबंधन में शामिल और चारा घोटाले में सजा काट रहे एक नेता ने मुसलमानों को आरक्षण की बात का समर्थन कर गठबंधन के इरादे जता दिए हैं। श्री मोदी ने मध्यप्रदेश के धार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि एक ताजा बयान उस नेता का आया है, जो पशुओं का चारा खा गया। चारा घोटाले में इस नेता को सजा हुयी है। ऐसे नेता ने कहा है कि मुसलमानों को पूरा आरक्षण मिलना चाहिए। श्री मोदी ने इस बयान के संदर्भ में कांग्रेस और इंडी गठबंधन को जमकर आड़े हाथों लिया और कहा कि कांग्रेस ने शुरू से ही संविधान बनाने वाले डॉ भीमराव अंबेडकर का विरोध किया और अब ये लोग डॉ अंबेडकर के बनाए संविधान के खिलाफ भी जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे जब तक जिंदा हैं, देश की मूल संस्कृति को बदलने नहीं देंगे। ये मोदी की गारंटी है कि इस हजारों साल पुराने देश की मूल संस्कृति को किसी भी कीमत पर नहीं बदलने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि मुसलमानों को ही आरक्षण देना था, तो कांग्रेस ने फिर वर्ष 1947 में देश का बटवारा क्यों किया। भारत मां की भुजाएं क्यों काट दी गयीं। यदि यही सब कुछ करना था तो उसी समय इस देश की मूल संस्कृति को क्यों नहीं बदल दिया गया। श्री मोदी ने दोहराया कि लेकिन जब तक वे हैं, इस देश की मूल संस्कृति को नहीं बदलने दिया जाएगा। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने पटना में मीडिया के समक्ष मुसलमानों को आरक्षण का समर्थन करते हुए बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को पूरा आरक्षण मिलना चाहिए। श्री मोदी ने आज खरगोन के बाद धार में चुनावी सभा को संबोधित किया। आज ही देश में लोकसभा चुनाव के लिए तीसरे चरण का मतदान हो रहा है कांग्रेस, इंडी गठबंधन की साजिश रोकने चाहिए 400 सीटें पीएम मोदी ने कहा– कांग्रेस और इंडी गठबंधन वाले आजकल एक नई अफवाह उड़ा रहे हैं। ये कहते हैं कि मोदी को 400 सीटें मिल गई तो वो संविधान बदल देगा। ऐसा झूठ चलाते हैं। मोदी को 400 सीटें चाहिए ताकि मैं कांग्रेस और इंडी गठबंधन की हर साजिश को रोक सकूं। कांग्रेस ने बाबा साहब अंबेडकर की पीठ में छुरा घोंपा पीएम मोदी ने कहा– इस बार कांग्रेस और उनके सब साथियों को चुन–चुनकर राजनीति से साफ कर देना। ये बाबा साहब अंबेडकर को बड़ी श्रद्धांजलि होगी। क्योंकि उन्होंने बाबा साहब अंबेडकर की पीठ में छुरा घोंपा है। संविधान की पीठ में छुरा घोंपा है। मोदी ने कांग्रेस के सारे वादों इरादों की पोल खोल दी है। कांग्रेस का परिवार बाबा साहब अंबेडकर से नफरत करता है मोदी ने कहा– परिवारवादियों ने अपना महिमा मंडन करने के लिए झूठा इतिहास लिखा और अब ये संविधान को लेकर भी झूठ गढ़ने लगे हैं। कांग्रेस का ये परिवार बाबा साहब अंबेडकर से घोर नफरत करता है। कांग्रेस ने अंबेडकर की राजनीति को खत्म करने की हर साजिश रची। भारत की पहचान मिटाने की कोशिश सफल नहीं होने दूंगा पीएम मोदी ने कहा– मैं आज दो टूक कह रहा हूं। ये कांग्रेस वाले और उनके सारे चट्टे–बट्टे जरा कान खोलकर सुन लो। जब तक मोदी जिंदा है। नकली सेक्युलरिज्म के नाम पर भारत की पहचान मिटाने की कोई भी कोशिश मोदी सफल नहीं होने देगा। ये हजारों वर्ष पुराने भारत को उसकी इस संतान की गारंटी है। मैंने कांग्रेस के दिमाग का एक्सरे किया है पीएम मोदी ने कहा– शहजादे तो ऐसी चीज लेकर आए हैं कि दुनिया में ऐसा कोई सोच ही नहीं सकता।

मतदाताओं को पिछले बार के फैसले का अफसोस हैः खड़गे

कलाबुर्गी,(एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को कहा कि देश के मतदाताओं को पिछले आम चुनाव में अपने फैसले का अफसोस है और इस बार वे कांग्रेस को बहुमत देकर अपनी गलती को सुधारेंगे। श्री खड़गे ने आज अपने बेटे प्रियांक खड़गे के साथ कलाबुर्गी जिले के गुंडुगुर्थी गांव में

एक मतदान केंद्र पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस मौके पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा , "मेरा मानना है कि व्यापारियों और वंचितों का गठबंधन इस बार कांग्रेस को जीत दिलाएगा। मतदाताओं के बीच पिछले फैसले को लेकर खेद की स्पष्ट भावना है, और मुझे विश्वास है कि वे इस बार कांग्रेस पार्टी को सरकार बनाने के लिए बहुमत देकर उस गलती को सुधारेंगे।" कलबुर्गी की चुनावी संघर्ष में कांग्रेस ने भाजपा के डॉ. उमेश जाधव के खिलाफ श्री खड़गे के दामाद राधाकृष्ण डोड्डामणि को मैदान में उतारा है। श्री प्रियांक खड़गे ने चुनाव में कांग्रेस पार्टी की संभावनाओं पर अपना विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, "मुझे पूरा विश्वास है कि कांग्रेस सरकार भारी बहुमत से विजयी होगी। मोदी के शासन में पिछला दशक भारत और विशेष रूप से कलबुर्गी पर विपत्ति लेकर आया है। लोगों का इससे मोहभंग हो गया है तथा वे इस बार उन्नति एवं समृद्धि के लिए कांग्रेस को अपना समर्थन देने के लिए तैयार हैं।

गरीब परिवार को हम एक लाख देंगेः राहुल

"मैंने देखा कि युवा 7 घंटे इंस्टाग्राम पर लगे रहते हैं। भाजपा इसके जरिए इन युवाओं का ध्यान भटकाती है। अब OBC सब समझ गया है। OBC पूछ रहा है कि राम मंदिर तो बन गया, लेकिन उसमें हमारा एक भी आदमी क्यों नहीं है।

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

● परिवार में महिलाओं के अकाउंट में डाले जायेंगे पैसे, आदिवासी दलितों को बनायेंगे लखपति

चाईबासा (पश्चिमी सिंहभूम),(एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी झारखंड के दौरे पर हैं। राहुल गांधी ने चाईबासा में जनसभा को संबोधित किया। अपने इस संबोधन में राहुल गांधी ने गरीब परिवारों को लखपति बनाने का वादा किया। नौकरी का वादा किया। राहुल गांधी ने कहा कि हम परमानेंट नौकरी देंगे ठेकेदारी प्रथा वाली नौकरी खत्म करेंगे। राहुल गांधी ने आरक्षण बढ़ाने का भी वादा किया। राहुल गांधी ने अपने संबोधन की शुरुआत में जोहार शब्द का इस्तेमाल किया। नरेंद्र मोदी ने 22 अरबपति बनाये। अब कांग्रेस लखपति बनायेगी । सत्ता में आने के बाद कांग्रेस सबसे पहले गरीब परिवारों की लिस्ट बनेगी। हर साल गरीब परिवारों को एक लाख देंगे करोड़ों परिवार है जो गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं। इसमें आदिवासी, दलित, पिछड़े ज्यादा है। हर गरीब परिवार में से एक महिला का नाम चुनेंगे। उस महिला के बैंक अकाउंट में एक लाख रुपए साल के डाल देंगे। उन्होंने बताया कि मैंने जोहार इसलिए बोला क्योंकि यह आदिवासियों का शब्द है। इसमें आपकी आवाज अच्छी सुनाई देती है। यह चुनाव आदिवासी, दलित, पिछड़ों के लिए जरूरी चुनाव है। महिलाओं के अकाउंट में ही क्यों राहुल गांधी ने कहा कि हमने महिलाओं के बैंक अकाउंट को इसलिए चुना है क्योंकि महिलाएं 18 से 20 घंटे काम करते हैं। मैं जानता हूं कि दबाव डालकर महिलाओं से पुरुष कुछ पैसा ले लेंगे। संविधान की किताब दिखाते हुए राहुल ने बोला भाजपा इसे फाड़ना चाहती इस सभा से राहुल गांधी ने संविधान की किताब दिखाते हुए कहा कि यह देश की आवाज है। भाजपा वाले इसे फाड़कर फेंकना चाहते हैं। आपको जो भी मिला है इसी किताब ने दिया है। संविधान से ही आपको आरक्षण मिलता है। संविधान से नौकरी मिलती है, संविधान से शिक्षा मिलती है। यह मिट जायेगा तो आदिवासी कहीं का नहीं रहेगा। सारा का सारा 10 से 15 अरबपतियों के हाथ में चला जायेगा।

संविधान की रक्षा के लिए हम जान देने को तैयार है। आदिवासी देश की जमीन का पहला मालिक है। वो जंगल अडाणी अंबानी को दे रहे हैं।

समस्याओं को लेकर मतदाताओं ने अपना गुस्सा दिखाया

हाथरस, सादाबाद व सिकंदराराऊ विधानसभा क्षेत्रों के करीब 20 ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार कर दिया। बहिष्कार की सूचना पर पूरे दिन जिले के अफसर दौड़ते नजर आए। 19 गांवों में तो अधिकारियों ने इक्का–दुक्का वोट डलवा लिए, लेकिन हाथरस ब्लॉक के गांव भिलोखरी में एक भी वोट नहीं पड़ा।

क्षेत्र के गांव भिलोखरी में कुल 250 मतदाता हैं। यहां के ग्रामीणों ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को सम्मान न दिए जाने व खारे पानी की समस्या को लेकर मतदान बहिष्कार किया। साथ ही मांग थी कि हाथरस का रोडवेज बस अड्डे का नाम ठाकुर विक्रम सिंह के नाम पर हो और गांव में खारे पानी की समस्या का भी निदान किया जाए। यहां शाम तक अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाया, लेकिन वह मतदान करने के लिए तैयार नहीं हुए।

हाथरस विधानसभा क्षेत्र के गांव चिंतापुर बदन के मतदान केंद्र पर माजरा त्रिलोकपुर को मिलाकर कुल 749 मतदाता हैं। इस गांव में सड़कों की हालत बेहद खराब है। कई सड़कों पर तो जलभराव है। इससे नाराज होकर मतदाओं ने वोट नहीं डाले। ग्रामीणों की शिकायत थी कि कोई भी जनप्रतिनिधि गांव में नहीं आता तो हम उनके लिए मतदान क्यों करें।

हाथरस विधानसभा क्षेत्र के गांव शेरपुर में जाने के लिए रास्ता नहीं है। इस समस्या को लेकर मतदाताओं ने चुनाव बहिष्कार किया। यहां मतदाताओं की संख्या 671 है। ग्रामीणों का कहना था कि वर्षों बाद भी गांव में आने के लिए रास्ता नहीं है। हालात ये हैं कि बेटी वाले अपनी बेटियां गांव में नहीं दे रहे। शादी की बात करने आने वाले भी रास्ता देखकर लौट जाते हैं। इसी विधानसभा क्षेत्र के गांव गढ़ी धारू में सड़क निर्माण न होने व खारे पानी की समस्या को लेकर मतदाताओं ने चुनाव बहिष्कार किया। मतदाताओं ने यहां मतदान शुरू होने के घंटों बाद तक बहिष्कार जारी रखा। लोगों का कहना था कि कई वर्षों से सड़कें खराब हैं। मीठे पानी के लिए बच्चों को गांव से करीब तीन किमी दूर जाना पड़ता है। कोई सुनने वाला नहीं है, इसलिए बहिष्कार किया है।

हाथरस विधानसभा क्षेत्र के गांव नया नगला में लगभग 800 मतदाता हैं। यहां कई किलोमीटर की सड़क खराब होने के कारण लोगों ने मतदान का बहिष्कार कर गुस्सा जताया। जानकारी होने पर अधिकारी गांव पहुंच गए। कई घंटे तक अधिकारी ग्रामीणों को मनाते रहे। गांव मल्है में खारे पानी की समस्या से परेशान।

मंगलवार को यहां सुबह के समय मतदान बहिष्कार किया गया। लोगों का कहना था कि गांव में समस्या के निदान के लिए कोई आता ही नहीं, किससे अपनी बात कहें। जब मतदान बहिष्कार किया तो कुछ अधिकारी तो गांव में आए। अधिकारियों को समस्या के बारे में अवगत कराया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को काफी समझाया।

ईवीएम जमा करने के लिए कार्मिकों की भीड़

हाथरस लोकसभा सीट के 10 प्रत्याशियों का भाग्य मंगलवार को ईवीएम में कैद हो गया। चार जून को प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम से बाहर निकलेगा। देर रात तक एमजी पॉलीटेक्निक परिसर में प्रयोगशुदा ईवीएम जमा करने के लिए कार्मिकों की भीड़ लगी रही। हर कर्मी जल्द से जल्द ईवीएम देकर घर जाने की हड़बड़ी में था। लिहाजा वहां मारामारी के हालात भी कई बार बने। देर रात तक सभी मतदान कार्मिक परिसर में ईवीएम और मतदान सामग्री जमा करने के लिए अपने–अपने दस्तावेजों को पूर्ण करते हुए नजर आए।शाम छह बजे मतदान संपन्न होने के बाद कड़ी सुरक्षा के बीच ईवीएम एमजी पॉलीटेक्निक पहुंच गईं। पॉलीटेक्निक परिसर में बने काउंटरों पर कार्मिकों की भीड़ लग गई। काउंटरों पर मारामारी के हालात नजर आए। इन्हें संभालने में सामग्री जमा कर रहे कर्मियों को खासी मशक्कत करनी पड़ रही थी।

मतदान के बाद पोलिंग पार्टियों की वापसी के मद्देनजर आगरा–अलीगढ़ मार्ग पर मंगलवार की शाम को फिर भारी वाहनों का आवागमन बंद कर दिया गया। जब तक ईवीएम व मतदान सामग्री जमा करने का काम खत्म नहीं हो गया, तब तक पुलिस पूरे आगरा रोड को दोनों तरफ से सील किए रही। इस दौरान हाथरस आने वाली रोडवेज बसें हतीसा पुल या इगलास अड्डा क्रॉसिंग होते हुए अंदर तक पहुंचीं।

हाथरस जनपद में सुबह मतदान से पूर्व मॉक पोल के दौरान ही समस्याओं की शुरूआत हो गई। कुल 16 बैलेट यूनिट, 26 कंट्रोल यूनिट, 47 वीवीपैट बदली गई। इसके चलते मतदान देरी से शुरू हो पाया।

कुछ स्थानों पर आधा घंटे तक की देरी से मतदान शुरू हो सका। ईवीएम में आई खराबी को लेकर कंट्रोल रूप पर सूचनाएं मिलते ही सेक्टर मजिस्ट्रेट इधर से उधर दौड़ते रहे।

निर्वाचन आयोग के 55 फीसदी बूथों पर वेबकास्टिंग कराने के निर्देश पर जिले के 725 बूथों पर वेबकास्टिंग कराई गई। कलेक्ट्रेट स्थित कंट्रोल रूम से सीधी नजर रखी गई। मतदान की प्रक्रिया को दिल्ली व लखनऊ में बैठे चुनाव अधिकारियों ने ऑनलाइन देखा। मतदान के बाद वेबकास्टिंग की रिकॉर्डिंग की सीडी चुनाव आयोग को भेजी जाएगी। कुछ स्थानों पर विद्युत आपूर्ति बाधित होने के कारण व्यवधान भी आया, लेकिन वेकल्पिक व्यवस्था कर व्यवस्था को सुचारू कराया गया।

सपाइयों की सद्बुद्धि के लिए व्यापारीयों ने की हनुमान जी से प्रार्थना

अलीगढ़।मैनपुरी में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं व असमाजिक तत्वों द्वारा अखलेश यादव के रोड शो के दौरान देश के प्रधानमंत्री मोदी जी को अपशब्द कहे गए और रास्ते में महाराणा प्रताप की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किया गया जबकि इस निंदनीय कृत्य के विरोध में अलीगढ़ उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल द्वारा महावीर गंज हनुमान जी के मंदिर पर एक विरोध प्रदर्शन कर भगवान हनुमान बाबा से इन सभी के सद्बुद्धि के लिए प्रार्थना की।इस मौके पर जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र वार्ष्णेय ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री व्यक्तिगत एक पार्टी के नहीं होते बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक के होते हैं।अतःदेश के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि प्रधानमंत्री की गरिमा बनाए रखें और सभी व्यापारी इसकी घोर निंदा करते हैं।महामंत्री विशाल भगत ने कहा कि देश के महापुरुषों का अपमान हिंदुस्तान नहीं सहेगा। वहीं वरिष्ठ पदाधिकारी राजेंद्र कुमार वार्ष्णेय व अनिल राज गुप्ता व प्रदेश प्रचार मंत्री सर्वेश चंद्र वार्ष्णेय ने कहाकि ऐसी दूषित मानिकता के लिए चुनाव आयोग संज्ञान में ले।इस मौके पर मुख्य रूप से युवा जिलाध्यक्ष धुर्वेश चन्द्र वार्ष्णेय, युवा जिला महामंत्री सचिन गुप्ता, सचिन,मिजुल मित्तल,अविरल सिंघल, आशीष सुपारी,दीपेश वार्ष्णेय और गिरीश चन्द्र आदि लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

मालिक मुद्रक, प्रकाशक, आशीष सेंगर द्वारा विभा प्रिंटर्स मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग,हाथरस से मुद्रित एवं प्रधान कार्यालय मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग सरस्वती कुंज हाथरस से प्रकाशित।
RNI- UPHIN/2007/23475
सम्पादक: अंजली शर्मा
मो. 9410427880 09319426268
Email:-
bhavyaprabhat@gmail.com
समस्त समाचारों के चयन एवं उनसे उत्पन्न विवादों के लिये पी. आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादो का न्याय क्षेत्र हाथरस होगा।

छपाई छपाई
बिल बुक,लेटर पैड,पम्पलेट
पोस्टर,शादी कार्ड,अखबार
विभा प्रिंटर्स
आधुनिक कम्प्यूटराइज्ड मशीन द्वारा साफ सुन्दर एवं कलात्मक छपाई
मुंशी गजाधर सिंह मार्ग,अलीगढ़ रोड, हाथरस
मो० 9410427880 ,9319426268

55.36 प्रतिशत मतदान के साथ प्रत्याशियों के भाग्य ईवीएम में बंद

मतदान करने के बाद एक साथ उंगली निशान दिखाकर खुशी जाहिर करते युवाओं की टोली

हाथरस में कुल 55.36 प्रतिशत मतदान हुआ। सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक बूथों पर मतदान होता रहा। कुछ जगहों पर मतदान बहिष्कार भी हुआ। मतदाताओं ने लोकतंत्र के पर्व में बढ़चढ़ कर भाग लिया।

विधानसभावार यह रहे मतदान प्रतिशत–

इगलास– 53.86
छर्रा– 57.78
सादाबाद– 52.49
सिकंद्राराऊ– 56.10
हाथरस– 56.50

मतदाता करने के बाद निशान दिखाते भाजपा जिलाध्यक्ष शारद महेश्वरी

पैतृक गाँव लाडपुर में मतदान करने के बाद विजयी चिन्ह दिखाते पूर्व सांसद राजेश दिवाकर एवँ पालिकाध्यक्ष स्वेता चौधरी

(भव्य प्रभात)

हाथरस । 16 लोकसभा हाथरस में वोटरों का उत्साह देखने को मिला वही तेज गर्मी होने के कारण दोपहर में मतदान में गिरावट दर्ज की गई जो सांय होते होते एक बार फिर तेज गति पकडी। लोकसभा क्षेत्र की पांचों विधानसभा हाथरस, सादाबाद, सिकंदराराऊ और अलीगढ़ जिले के छर्रा व इगलास में कुल 55.36 प्रतिशत मतदान रहा। इसके बाद चुनावी मैदान में उतरे 10 प्रत्याशियों के भाग्य को फैसला ईवीएम में बंद हो गया।

सुबह के समय मतदाताओं में मतदान के प्रति काफी उत्साह देखने को मिला। सुबह 7 बजे मतदान शुरू होते ही बूथों पर महिला–पुरूष मतदाताओं की कतारें लगना शुरू हो गई है। वोटर मतदाता पर्ची लेकर मतदान करने पहुंच गये। जैसे–जैसे तापमान बढ़ता गया, मतदान की रफ्तार धीमी होती गई। दोपहर को मतदान केंद्रों पर सन्नाटा पसर गया।

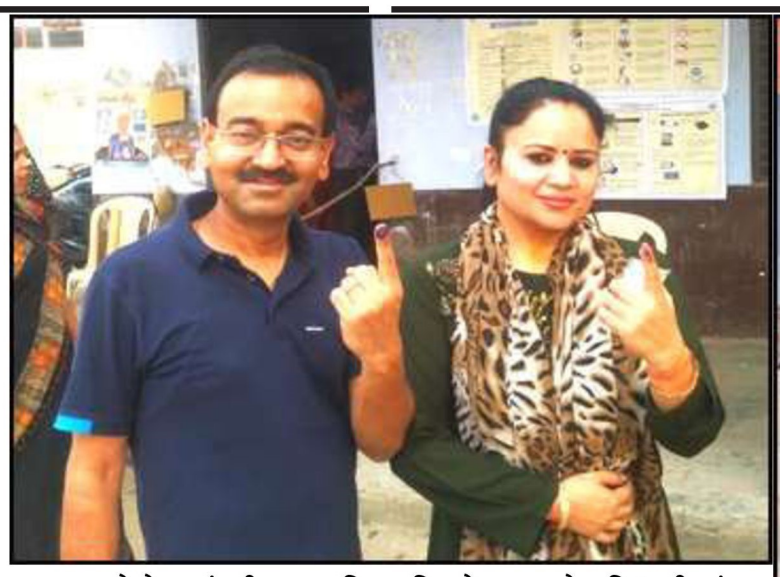

मतदान करने के बाद उंगली पर लगा निशान दिखाते प्रमुख उधोगपति आशीष बंसल

मतदाता करने के बाद निशान दिखाते पूर्व पालिकाध्यक्ष डॉली माहौर एवँ वासुदेव माहौर

प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार सुबह नौ बजे तक 13.43 फीसदी मतदान हुआ था। 11 बजे तक 25.68 फीसदी मतदान हुआ था। दोपहर को एक बजे तक 37.72 फीसदी मतदान हुआ। तीन बजे तक 44.6 फीसदी मतदान हुआ। शाम पांच बजे तक 53.48 फीसदी मतदान हुआ। अन्तिम एक घंटे में मतदान प्रतिशत में फिर बढ़ोतरी हुई जो मतदान समाप्त होते होते फाइनल मतदान 55.36 प्रतिशत रहा।

वही इस बार के मतदान प्रतिशत 2014, 2019 के आंकड़ों को भी नहीं छू सका। सुबह तक मतदान प्रतिशत ठीक रहा, लेकिन धीरे–धीरे गिरावट दर्ज होती गई। उम्मीद थी कि मत प्रतिात में बडोत्तरी होगी और यह आंकड़ा 60 फीसदी के आसपास तक पहुंच जाएगा, लेकिन पिछले दो बार के लोकसभा चुनाव का आंकड़ा पार नहीं हो सका। पिछले लोकसभा चुनाव की अपेक्षा 5.71 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई है

स्वयंसेवकों के साथ मतदान करने के बाद आरएसएस के जिला कार्यवाह रामकिशन

आरएसएस के पूर्व जिला सह कार्यवाह रामहरी चाहर ने पत्नी के संग मतदान किया

हैदराबाद पर मुंबई की जीत से बदला प्लेऑफ का समीकरण, जानें किस टीम को राहत

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 का सीजन अब धीरे–धीरे अपने अंतिम पड़ाव की ओर पहुंच रहा है जहां सभी टीमें प्लेऑफ में पहुंचने के लिए पूरा जोर लगा रही हैं। शीर्ष की दो टीमें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स 16–16 अंक लेकर सुखद स्थिति में है और इनका अंतिम चार में प्रवेश करना लगभग तय हो गया है। असली मुकाबला तीसरे और चौथे स्थान के लिए है जिसके लिए टीमें मेहनत कर रही है। हर सीजन की तरह इस बार भी निचले स्थान पर चल रही टीमें दूसरों का गणित बिगाड़ रही हैं और ऐसा ही कुछ सोमवार को मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मैच के दौरान भी देखने मिला। इस मैच में मुंबई ने हैदराबाद को हराकर प्लेऑफ की दौड़ को रोचक बना दिया है। सूर्यकुमार ने किया कमाल सनराइजर्स हैदराबाद ने 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 173 रन बनाए। जवाब में टी20 विश्व कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम में शामिल सूर्यकुमार ने मुंबई के लिए इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 51 गेंदों का सामना किया और 102 रन बनाए। सूर्यकुमार ने इस दौरान तिलक वर्मा के साथ शानदार साझेदारी निभाई और दोनों बल्लेबाजों ने हैदराबाद के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। सूर्यकुमार के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत मुंबई ने 17.2 ओवर में तीन विकेट गंवाकर 174 रन बनाए और सात विकेट से मुकाबला जीत लिया। हार के बावजूद चौथे स्थान पर बरकरार हैदराबाद मुंबई इस जीत के साथ अंक तालिका में 10वें से नौवें पायदान पर पहुंच गई है। अब टीम के खाते में आठ अंक हो गए हैं। वहीं, नेट रनरेट –0.212 का हो गया है। इसके अलावा सनराइजर्स हैदराबाद 11 मैचों में छह जीत और पांच हार के साथ 12 अंक लेकर चौथे स्थान पर बरकरार है। हैदराबाद की टीम भले ही शीर्ष चार में मौजूद है, लेकिन मुंबई के खिलाफ हार ने उसे बैकफुट पर धकेल दिया है। हैदराबाद को अब अपने तीन में से दो मुकाबले हर हाल में जीतने होंगे। हैदराबाद का नेट रनरेट –0.065 का हो गया है जो उसके लिए चिंता का विषय है। 11 मैच के बाद 12 अंक लेकर तीसरे स्थान पर चल रही चेन्नई सुपर किंग्स का नेट रनरेट 0.700 है जो उसके लिए राहत की बात है। हैदराबाद, लखनऊ और सीएसके के बीच है टक्कर तीसरे और चौथे स्थान के लिए मुख्य रूप से हैदराबाद, लखनऊ और सीएसके के बीच टक्कर है। इन तीन टीमों ने अब तक 11 मैच खेल लिए हैं और तीनों के ही 12–12 अंक हैं। हैदराबाद और लखनऊ की तुलना में सीएसके का नेट रनरेट बेहतर है।

प्लेऑफ के लिए रोचक हुई जंग

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	रन रेट
कोलकाता नाइट राइडर्स	11	08	03	16	+1.453
राजस्थान रॉयल्स	10	08	02	16	+0.622
चेन्नई सुपर किंग्स	11	06	05	12	+0.700
सनराइजर्स हैदराबाद	11	06	05	12	-0.065
लखनऊ सुपर जाएंट्स	11	06	05	12	-0.371
दिल्ली कैपिटल्स	11	05	06	10	-0.442
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	11	04	07	08	-0.049
पंजाब किंग्स	11	04	07	08	-0.187
मुंबई इंडियंस	12	04	08	08	-0.212
गुजरात टाइटंस	11	04	07	08	-1.320

यूरोप दौरे पर भारतीय जूनियर महिला टीम की कप्तान होंगी ज्योति

डिफेंडर ज्योति सिंह को 21 से 29 मई तक होने वाले यूरोप दौरे के लिये भारत की 22 सदस्यीय जूनियर महिला हॉकी टीम का कप्तान चुना गया जबकि मिडफील्डर साक्षी राणा उपकप्तान होंगी। भारतीय टीम बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड के दो क्लबों ब्रेडेस हॉकी वेरेनिजिंग पुश और आरेंजी रूड से छह मैच खेलेगी। ज्योति ने हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में कहा ,'' टीम में अच्छा तालमेल हैं। हम सभी एक दूसरे को बखूबी जानते हैं। सभी हुनरमंद और प्रतिभाशाली हैं। विदेश में शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलना सीखने के लिये बहुत अच्छा होगा।'' भारतीय टीम 21 मई को ब्रेडेस हॉकी वेरेनिजिंग पुश से पहला मैच खेलेगी और 22 मई को ब्रेडा में ही बेल्जियम से खेलेगी। इसके बाद 24 मई को बेल्जियम में मेजबान से खेलना है। इसके बाद जर्मनी से 26 मई को ब्रेडा और 27 मई को जर्मनी में खेलना है। इसके बाद 29 मई को ब्रेडा में आरेंजी रूड से आखिरी मैच खेलना है। टीम रू गोलकीपर रू अदिति माहेश्वरी, निधि डिफेंडर रू ज्योति सिंह (कप्तान), लालथांटलुआंगी, अंजलि बारवा, पूजा साहू ममिता ओरम, निरू कुल्लू मिडफील्डर रू के सोनिया देवी , रजनी केरकेटा, प्रियंका यादव, के शिलेइमा चानू साक्षी राणा, अनिशा साहू, सुप्रिया कुजूर फॉरवर्ड रू बिनिमा धन, हिना बानो, लालरिंपुइ, इशिका, संजना होरो, सोनम, कनिका सिवाच।

हमें हराना मुश्किल होगा... राजस्थान के खिलाफ मुकाबले से पहले रिकी पोंटिंग का बयान

दिल्ली कैपिटल्स को प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए अपने बाकी बचे तीन मैच जीतने होंगे। इसलिए मुख्य कोच रिकी पोटिंग का मानना है कि अगर ऋषभ पंत और टीम 40 ओवरों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करती है, तो उन्हें हराना मुश्किल होगा। आज दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला अपने होमग्राउंड अरुण जेटली स्टेडियम पर राजस्थान रॉयल्स से होगा। वहीं पोंटिंग ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि, कोलकाता के खिलाफ हमारा पिछला प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ में से एक नहीं था, लेकिन अब हम घर पर वापस आ गए हैं। हमने यहां अपने तीन में से दो मैच जीते हैं। रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले को लेकर रिकी पोंटिंग ने कहा कि, हम जानते हैं कि हम एक बहुत अच्छी राजस्थान टीम के खिलाफ खेलने वाले हैं। लेकिन जैसा कि हमने टूर्नामेंट में अब तक देखा है कि अगर 40 ओवरों तक अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेल सकते हैं तो मैं गारंटी देता हूं कि हमें हराना मुश्किल होगा इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम किसके खिलाफ खेल रहे हैं या हम कहां खेल रहे हैं। हम जानते हैं कि, हम किसी को भी हरा सकते हैं। दिल्ली कैपिटल्स मौजूदा आईपीएल सीजन में लगातार मैच नहीं जीत पाई है। अपने पिछले 11 मैचों में से पांच में जीत हासिल की है और 6 में हार का सामना करना पड़ा है। इसलिए डीसी के लिए आखिरी तीन गेम जीतना अहम है, फिर भी इससे उनके केवल 16 अंक ही होंगे, जो अंतिम चार में स्थान सुरक्षित करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकते हैं। केकेआर और आरआर के साथ, कम से कम तीन टीमें हैं, चेन्नई सुपर किंग्स (11 खेलों से 12 अंक), सनराइजर्स हैदराबाद (10 खेलों से 12 अंक), और लखनऊ सुपर जायंट्स (11 खेलों में 12 अंक), जो 16 अंक के निशान को पार कर सकती हैं।

कोच पोलार्ड का बयान, कहा– बुमराह को आराम देने का कोई इरादा नहीं

मुंबई इंडियंस के आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने के बावजूद बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने कहा कि टीम का तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम देने का कोई इरादा नहीं है। मुंबई ने सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराया जिसमें सूर्यकुमार यादव (नाबाद 102) ने आईपीएल में दूसरा शतक जड़ा। मुंबई की यह 12 मैचों में चौथी ही जीत थी। टी20 विश्व कप को देखते हुए बुमराह को आराम देने के सवाल पर पोलार्ड ने कहा ,'' हमने इस पर कोई बात नहीं की है। मुझे नहीं लगता कि यह मेरा काम है लेकिन देखते हैं कि क्या होता है। हम सभी यहां पूरा आईपीएल खेलने के लिये हैं। ''

भारतीय एयरलाइंस की 2027–28 तक अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात में 50% हिस्सेदारी होगी

मुंबई। भारतीय एयरलाइन कंपनियां वित्त वर्ष 2027–28 तक देश के अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात की 50 प्रतिशत जरूरत को पूरा करने में सक्षम होंगी। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने सोमवार को यह अनुमान लगाया है। एजेंसी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात में भारतीय एयरलाइन कंपनियों की हिस्सेदारी (जिसमें देश से होकर गुजरने वाला यातायात भी शामिल है) 2027–28 तक 50 प्रतिशत हो जाएगी, जो पिछले वित्त वर्ष में 43 प्रतिशत थी। क्रिसिल रेटिंग्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि यह सुधार भारतीय एयरलाइन द्वारा अतिरिक्त विमानों की तैनाती और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में नए मार्ग जोड़ने के साथ–साथ विदेशी एयरलाइन की तुलना में बेहतर घरेलू संपर्क के बल पर होगा। रिपोर्ट में कहा गया कि अंतरराष्ट्रीय यातायात में उनकी बढ़ती हिस्सेदारी के चलते भारतीय एयरलाइन कंपनियों की व्यावसायिक स्थिति मजबूत होगी, जो घरेलू क्षेत्र की तुलना में अधिक लाभदायक है। क्रिसिल के अनुसार, भारत का अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात वित्त वर्ष 2023–24 में करीब सात करोड़ तक बढ़ गया। यह वैश्विक महामारी से पहले के स्तर को पार कर गया है।

वैश्विक महामारी से प्रभावित वित्त वर्ष 2020–21 में यह एक करोड़ के निचले स्तर पर आ गया था। इसमें कहा गया, भारतीय एयरलाइन की हिस्सेदारी वैश्विक महामारी के बाद से तेजी से बढ़ी है। क्रिसिल रेटिंग्स के वरिष्ठ निदेशक मनीष गुप्ता ने कहा, ''वैश्विक महामारी के बाद खर्च करने के तरीकों में काफी बदलाव आया है, जो कि भारतीयों के अवकाश के लिए विदेश जाने की इच्छाओं से स्पष्ट है। उन्होंने कहा, ''बढ़ती खर्च योग्य आय, आसान वीजा पहुंच, हवाई अड्डों की बढ़ती संख्या और बेहतर हवाई यात्रा संपर्क से अंतरराष्ट्रीय यात्रा को बढ़ावा मिल रहा है। भारत को पर्यटन का केंद्र बनाने पर सरकार के ध्यान देने से भी हवाई यातायात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय एयरलाइन ने पिछले 15 महीनों में 55 नए अंतरराष्ट्रीय मार्ग जोड़े हैं, जिससे उनकी संख्या 300 से अधिक हो गई है। क्रिसिल के मुताबिक, इनमें अमेरिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया के लोकप्रिय लंबी दूरी के गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें शामिल हैं। इससे उड़ान का समय प्रभावी रूप से कम हुआ और किसी अन्य देश में रुकने की आवश्यकता भी खत्म हुई है।

अस्थायी रूप से निलंबित किए गए बजरंग पुनिया

नयी दिल्ली। बजरंग पुनिया को हाल ही में राष्ट्रीय ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए अपना नमूना देने से इनकार करने पर अस्थाई तौर पर निलंबित कर दिया गया है। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) इस मामले में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा उसे 'अंधेरे में' रखने का आरोप लगाते हुए विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से शिकायत करने की योजना बना रहा है। बजरंग को 23 अप्रैल को नाडा ने अस्थायी निलंबन सौंपा था। उन्हें आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई से बचने के लिए सात मई तक अपना जवाब भेजने को कहा गया था। बिश्केक में एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर के लिए पुरुषों की राष्ट्रीय टीम चुनने के लिए ट्रायल 10 मार्च को सोनीपत में आयोजित किया गया था और बजरंग अपना मुकाबला हारने के बाद मूत्र का नमूना दिए बिना ही प्रतियोगिता स्थल से चले गये थे। बजरंग ने अपने निलंबन पर कहा कि उन्होंने कभी भी नाडा अधिकारियों को अपना नमूना देने से इनकार नहीं किया। उन्होंने नाडा पर 'एक्सपायर हो चुकी किट' देने का आरोप लगाते हुए 'एक्स' पर लिखा, ''मेरे बारे में जो डोप टेस्ट के लिए खबर आ रही है उसके लिये मैं स्पष्ट करना चाहता हूं। मैंने कभी भी नाडा अधिकारियों को नमूना देने से इनकार नहीं किया, मैंने उनसे अनुरोध ा किया कि वे मुझे जवाब दें कि वे पहले मेरा नमूना लेने के लिए जो 'एक्सपायर किट' लाए थे, उस पर उन्होंने क्या कदम उठाए या क्या कार्रवाई की उसका जवाब दे दीजिये और फिर मेरा डोप टेस्ट ले लीजिए।'' उन्होंने कहा, '' मेरे वकील विदुष सिंघानिया इस पत्र का जवाब समय अनुसार देंगे।''

रज्जो शुरू से बागी थी, मल्लिका जान की बगावत अलग है, संजय का विकास दुनिया ने देखा है

नेपाल को तीन प्रधानमंत्री देने वाले कोइराला परिवार की लाडली मनीषा का बचपन काशी में और कैशोर्य दिल्ली में पढ़ाई करते बीता। महज 21 साल की उम्र में वह शोमैन सुभाष घई की फिल्म 'सौदागर' की हीरोइन बनीं। लेकिन, मनीषा की किस्मत बदली फिल्म '1942 ए लव स्टोरी' में अंग्रेजों के खिलाफ बगावत करने वाली युवती रज्जो के किरदार से। उन दिनों संजय लीला भंसाली निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा के सहायक हुआ करते थे। बताते हैं कि फिल्म के सारे गीत संजय के निर्देशन में ही तैयार हुए थे। मनीषा एक बार फिर अंग्रेजों से मोर्चा ले रही हैं, उसी कालखंड की एक और कहानी 'हीरामंडी' में और एक बार फिर काम कर रही हैं अपने सबसे पसंदीदा निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ। मनीषा कोइराला से 'अमर उजाला' के सलाहकार संपादक पंकज शुक्ल ने ये खास बातचीत की।

वेब सीरीज 'हीरामंडी' का कालखंड वही है जो आपने कोई तीन दशक पहले फिल्म '1942 ए लव स्टोरी' में जीया था। तब संजय लीला भंसाली निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा के सहायक हुआ करते थे और एक बार फिर आप भंसाली के साथ वैसा ही कुछ बागी किरदार करने जा रही हैं?

उन दिनों की यादें अब भी ताजा हैं और जितना अच्छा वह दौर था, वैसा ही हसीन ये दौर भी है। फिल्म '1942 ए लव स्टोरी' में मेरा किरदार रज्जो शुरू से ही अंग्रेजों के खिलाफ बगावत में शामिल रहता है, यहां हम 'हीरामंडी' की दुनिया में भीगे हुए थे। ये सही है कि इसमें भी अंग्रेजों के खिलाफ बगावत की बात है लेकिन वह कहानी के उपसंहार के करीब ज्यादा उभरकर सामने आती है। और, इस दौरान संजय का जो विकास बतौर निर्देशक हुआ है, वह तो पूरी दुनिया ने देखा ही है।

लेकिन, रज्जो को देखकर दर्शकों को उससे प्यार हो गया था, यहां मल्लिका जान के किरदार से तो डर लग रहा है..

जी, मुझे भी डर लग रहा था। मैंने ऐसा किरदार पहले कभी नहीं किया है। और, मुझे मालूम नहीं था कि मैं कैसे करूंगी, लेकिन इतना मालूम था कि मैं जान दे दूंगी, जान लगा दूंगी और जो भी संजय हमसे करवाना चाहते थे, वह एकदम पूरे समर्पण के साथ करूंगी। ये बहुत, बहुत, बहुत ही नया किरदार है मेरे लिए।

'हीरामंडी' को अगर अगर संजय लीला भंसाली ने सिर्फ दो ढाई घंटे की फिल्म के रूप में बनाया होता तो बेहतर होता या कि सीरीज ही इस कहानी के लिए बेहतर है?

मुझे लगता है कि हर विषय को विस्तार देकर वेब सीरीज के रूप में बनाया जा सकता है। लेकिन, उस विषय में उतनी क्षमता भी होनी चाहिए। 'हीरामंडी' में बहुत सारी कहानियां हैं। एक तो इसका जो मुख्य विषय है, वह है ही, और भी बहुत सारी क्षेपक कथाएं हैं। और, ये सब बहुत ही नाटकीय, बहुत रोचक और बहुत जिंदादिल कहानियां हैं। मुझे लगता है कि 'हीरामंडी' सिर्फ एक सीजन ही नहीं, इसमें कई सीजन तक आगे जाने की सामग्री है।

हिंदी सिनेमा में मुस्लिम सामाजिक फिल्मों का लंबा दौर रहा है। ऐसे विषयों पर बनी तमाम फिल्में मसलन 'मुगले ए आजम', 'चौदहवीं का चांद', 'मेरे हुजूर' सुपरहिट रही हैं। आपको कौन कौन सी ऐसी फिल्में याद आईं ये सीरीज करते समय?

मैंने बहुत सारी पिक्चरें इस तरह की देखी हैं लेकिन खास इस सीरीज के लिए मैंने कोई फिल्म नहीं देखी। हालांकि, संजय का मेरे लिए निर्देश था कि मैं फिल्म 'नूरजहां' का थोड़ा सा हिस्सा यूट्यूब पर देख लूं। संजय की ये बात कहीं मेरे दिमाग में, मेरे जहन में बनी रही। बस, मैंने उतना ही संदर्भ पुरानी फिल्मों का अपने किरदार मल्लिका जान में रहने दिया। बाकी उस दौर की फिल्में हैं, वे मैंने अपने इस किरदार को निभाने के लिए विशेष रूप से नहीं देखीं।

संजय के बारे में ये तो एक बात बहुत मशहूर है कि वह अपनी हीरोइनों को अभिनेत्री नूतन की फिल्में 'सीमा', 'सुजाता' और 'बंदिनी' देखने को कहते रहे हैं, संजय के साथ अपनी पहली फिल्म 'खामोशी' करते समय आपके साथ भी ऐसा कोई संयोग बना क्या?

ये बात तो सही है कि संजय लीला भंसाली ने हिंदी सिनेमा की तकरीबन सारी कालजयी फिल्में देखी हुई हैं। अपनी फिल्म या सीरीज के किरदार के साथ जो भी कुछ मिलता जुलता उनको समझ आता है, उसे देखने के लिए वह जरूर कहते हैं। जैसे, 'हीरामंडी' के लिए ऋचा चड्ढा को उन्होंने 'पाकीजा' और मीना कुमारी की दूसरी फिल्में देखने को कहा। वह ऋचा के इस किरदार में वैसा ही भाव लाना चाहते थे। ये तो तय है कि अपनी फिल्म की अभिनेत्रियों की अदाकारी के लिए जरूरी हुआ तो संजय हमेशा पुरानी फिल्मों का संदर्भ बताएंगे।

और, शायद इसीलिए भंसाली की फिल्मों के महिला किरदार इतने प्रभावशाली होते हैं।

मन्नारा चोपड़ा ने कहा कि उनका अपनी कजिन सिस्टर्स प्रियंका चोपड़ा और परिणीति से काफी अच्छे रिलेशन्स हैं। मन्नारा ने कहा कि बिग बॉस के घर में वो जानबूझकर प्रियंका और परिणीति का जिक्र नहीं करती थीं। वो नहीं चाहती थीं कि लोग उन्हें नेपो किड कहें। मन्नारा ने कहा कि वो अपनी बहनों का जिक्र नहीं करती हैं, तब भी लोगों को प्रॉब्लम है। मन्नारा का कहना है कि लोगों को लगता है कि उनका अपनी बहनों से अच्छे संबंध नहीं हैं। मन्नारा के मुताबिक, वो अपनी बहनों का जिक्र करें तभी भी दिक्कत है, अगर न करें तब भी लोग इश्यू बनाते हैं। बहनों का नाम लेती तो लोग मेरे वजूद पर सवाल उठाते मन्नारा चोपड़ा ने सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में बताया कि वो बिग बॉस के घर में प्रियंका और परिणीति का जिक्र क्यों नहीं करती थीं। उन्होंने कहा– मैं जानबूझकर अपनी दोनों बहनों का नाम नहीं लेती थी, वरना बाकी कंटेस्टेंट मुझे नेपो किड कहते। वे कहते कि मेरा अपना कोई वजूद नहीं है। मैं अपना खुद का एक नाम बनाना चाहती थी। मैं घर के अंदर की लड़ाई खुद लड़ना चाहती थी। मैं भले ही एक विशेष परिवार से आती हूं, लेकिन मैंने खुद को हमेशा अलग तरीके से प्रोजेक्ट किया है। मन्नारा ने कहा– प्रियंका दीदी को देख कर बड़ी हुई हूं मन्नारा ने आगे कहा– जब मैं अपनी बहनों का नाम नहीं लेती हूं तब भी लोग एक अलग स्टोरी बनाते हैं। उन्हें लगता है कि मेरी बहनों के साथ मेरे रिलेशन अच्छे नहीं हैं। अब मैं उन्हें क्या बताऊं कि मेरी बहनों के साथ मेरा रिश्ता कितना सॉर्टेड है। मैं प्रियंका दीदी को देखकर बड़ी हुई हूं। उन्होंने जैसे खुद को साबित किया है, वो एक मिसाल है। जब मेरा इंटरेस्ट फिल्मों में काम करने का हुआ तो प्रियंका दीदी ने मेरी मां से कहा कि अभी इसे पढ़ने दीजिए। मैं उस वक्त ग्यारहवीं में थी। प्रियंका चोपड़ा हाल ही में भारत आई थीं। वे मन्नारा की बर्थडे पार्टी में शामिल भी हुई थीं। प्रियंका चोपड़ा हाल ही में भारत आई थीं। वे मन्नारा की बर्थडे पार्टी में शामिल भी हुई थीं। हाल ही में मन्नारा के 33वें जन्मदिन पर प्रियंका चोपड़ा ने उन्हें जॉइन किया था। प्रियंका अपने पति निक जोनस के साथ इंडिया आई थीं। निक के अलावा उन्होंने अपनी मां मधु चोपड़ा के साथ पार्टी एन्जॉय किया। बता दें, मन्नारा चोपड़ा ने 2014 में आई फिल्म 'जिद' से बॉलीवुड डेब्यू किया था।

सनातन संस्कृति को गाली देना विपक्षी नेताओं के लिए फैशन: योगी

सीतापुर,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि सनातन संस्कृति को गाली देना, देश की सत्ता को चुनौती देना, प्रभु राम और कृष्ण के अस्तित्व को चुनौती देना आजकल विपक्षी नेताओं के लिए एक फैशन सा बन गया है। मिश्रिख लोकसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी अशोक रावत के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि जब विनाश काले विपरीत बुद्धि होती है तो लोग ऐसा ही करते हैं। उन्हे मालूम होना चाहिये कि ये धरती ऋषियों और सनातनियों की है। वह केवल यज्ञ हवन तक ही सीमित नहीं थे, बल्कि विपत्ति आने पर राक्षसों का नरसंहार भी करते थे। ऐसे में प्रभु राम और कृष्ण पर सवाल खड़ा करने वालों को हम कैसे स्वीकार कर सकते हैं। देश की जनता वोट की चोट के जरिये इसका हिसाब देगी। उन्होने कहा कि आज दुनिया सीतापुर और उत्तर प्रदेश की तरफ देख रही है क्योंकि जब कोई रामद्रोही राम के अस्तित्व को नकारने का प्रयास करता है तो नैमिष सामने आ खड़ा होता है। वह अपने शास्त्रीय प्रमाण से प्रभु राम और कृष्ण के अस्तित्व को प्रकट करता है। यह साहस केवल नैमिषारण्य की धरती ही कर सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीजेपी की डबल इंजन की सरकार ने नैमिषारण्य के विकास के लिए विभिन्न कार्य किये हैं, जो आपको दिखने लगे हैं। आज अयोध्या जिस तरह से नई नजर आ रही है, वैसे ही नैमिषारण्य का भी नया स्वरुप सबके सामने है। यहां पर वायु सेवा और इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू होने जा रही है। वहीं यात्रियों के लिए विश्रामालय बनने वाले हैं। योगी ने कहा कि अयोध्या, काशी और मां विंध्यवासिनी धाम की

तरह मां ललिता धाम का भी पुनरोद्धार और सुंदरीकरण किया जा रहा है। इससे यहां के नौजवानों और व्यापारियों के लिए नये रोजगार का सृजन होगा। यह कार्य केवल वही कर सकता है, जो प्रभु की सत्ता पर विश्वास करता हो। यह काम भगवान राम और कृष्ण को नकारने वाले नहीं कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा देश नये भारत का दर्शन कर रहा है। उन्होने कहा कि आज तीसरे चरण का मतदान हो रहा है जबकि दो चरण में मतदान संपन्न हो चुके हैं। आज के मतदान के बाद आधा चुनाव संपन्न हो चुका होगा और देश में एक ही आवाज अबकी बार 400 पार की सुनायी दे रही है क्योंकि हमने बदलते हुए भारत को देखा है। आज नया भारत आतंकवाद के सामने घुटने नहीं टेकता है बल्कि उसका राम नाम सत्य कर देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीतापुर में सबसे अधिक शौचालय और उज्जवला योजना के तहत फ्री गैस कनेक्शन दिये गये हैं। ऐसे में मैं सभी को आश्वस्त करता हूं कि जो लोग गरीब कल्याणकारी योजनाएं से छूट गये हैं उन्हे चुनाव के बाद सुविधा दी जाएगी। यह मोदी की गारंटी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आह्वान किया कि इस बार ऐसी वोट की चोट करिये ताकि आतंकवाद और माफिया का समर्थन करने वाले हमेशा के लिए भारत की चुनाव प्रक्रिया से गायब हो जाएं। वह दोबारा चुनाव लड़ने की हिम्मत ही न कर पाएं। यह चुनाव केवल चुनाव नहीं है बल्कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए चुनाव है। ऐसे में हमे तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है और अबकी बार 400 पार का लक्ष्य प्राप्त करना है। इस अवसर पर बीजेपी के क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्र, जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला, विधायक रामकृष्ण भार्गव, आशीष सिंह आशू, अलका रघुवंशी, एमएलसी पवन सिंह चौहान आदि उपस्थित थे।

रोडवेज व डीसीएम की टक्कर में चालक समेत दो घायल

बांदा,(यूएनएस)। सदर कोतवाली क्षेत्र में हाईवे पर स्थित गांव चिरूहूली के सामने एक तेज रफ्तार रोडवेज व डीसीएम में टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि डीसीएम का चालक उसी में फंस गया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने डीसीएम की बॉडी काटकर चालक को बाहर निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं दुर्घटना में रोडवेज सवार एक शिक्षक भी घायल हो गया। इटावा की ओर से तेज रफ्तार से कानपुर जा रही एक रोडवेज बस के चालक ने चिरूहूली गांव के पास अचानक से ब्रेक ले लिए। इसी बीच पीछे से तेज गति से रुई लादकर पानीपत से कानपुर जा रही डीसीएम बस में पीछे से घुस गई। इससे डीसीएम की बॉडी क्षतिग्रस्त हो गई। इसमें डीसीएम चालक कुलदीप निवासी एटा फंस गया। विज्ञापन सूचना पर पहुंची पुलिस ने डीसीएम की बॉडी को कटर से काटकर चालक कुलदीप को बाहर निकाला। जबकि घटना में रोडवेज बस में सवार शिक्षक अमर सिंह निवासी बाबरपुर जो किसी काम से लखनऊ जा रहे थे वह भी घायल हो गए। दोनों घायलों को पुलिस ने एंबुलेंस से 50 शैया युक्त अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर उनका उपचार किया गया।

8 साल की बच्ची से रेप की कोशिश,पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

उरई/जालौन,(यूएनएस)। जालौन में सोमवार को घर में खेलते समय एक 8 साल की मासूम बच्ची के साथ एक व्यक्ति ने रेप करने की कोशिश की थी। इस आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जिसके खिलाफ मासूम बच्ची के पिता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत करते हुए जेल भेज दिया। मामला उरई कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ले का है। यहां सोमवार को भूसा डालने आए एक मजदूर ने घर में खेल रही 8 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ रेप करने की कोशिश की थी। बच्ची के शोर मचाने पर आरोपी मौके से भाग गया था, जिसके बाद मासूम के पिता ने पुलिस को तहरीर दी थी। मामले में पुलिस ने संज्ञान लेते हुए आरोपी राजा करन निवासी बम्हौरी कला के खिलाफ नामजद मुकदमा पंजीकृत करते हुए उसकी गिरफ्तारी की कोशिश शुरू कर दी थी, जिसके बाद उरई पुलिस ने दबिश देते हुए आरोपी राजा करन को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में उरई सर्कल के डिप्टी एसपी गिरजा शंकर त्रिपाठी ने बताया कि एक मासूम बच्ची के साथ दुर्व्यवहार किया गया था, जिस पर पिता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया, आरोपी को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया है।

स्कॉर्पियो ने बाइक सवार मां-बेटे को मारी टक्कर,हादसे में गई मां की जान, बेटे की हालत गंभीर

उरई/जालौन,(यूएनएस)। जालौन में रफ्तार का कहर देखने को मिला, जहां तेज रफ्तार स्कॉर्पियो में बाइक सवार मां बेटे को टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां मां की मौत हो गई, जबकि बेटे की हालत नाजुक होने पर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना रामपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम टीहर की है। यहां इटावा जनपद के ग्राम कुर्धा के रहने वाला सुरेश (30 वर्ष) पुत्र नारायण दास अपनी 60 वर्षीय मां मुन्नी देवी पत्नी नारायण दास के साथ मोटरसाइकिल से अपने गांव से रामपुरा आ रहे थे, जब शाम के वक्त वह बीआरसी कार्यालय टीहर के पास पहुंचे, तभी रामपुरा की ओर से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो गाड़ी ने सड़क के किनारे खड़े माँ बेटे को टक्कर मार दी। जिससे माँ बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार हेतु ग्रामीणों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुरा लाया गया। घायलों की गंभीर स्थिति देखते हुए डॉक्टर ने बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इलाज के लिए ले जाते समय मुन्नी देवी की रास्ते ने मृत्यु हो गई। घायल सुरेश ने बताया कि स्कॉर्पियो की गति बहुत तेज थी, ड्राइवर अवनीश कुमार पुत्र कमलापति निवासी टीहर नशे की हालत ने गाड़ी चला रहा था। उक्त घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्कॉर्पियो अपने कब्जे में ले ली है।

163वें जन्मदिन पर याद किए गए गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर

रायबरेली।न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल त्रिपुला, रायबरेली में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में मनाई गई।सर्वप्रथम प्रधानाचार्य शिवलखन प्रजापति ने गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा–सुमन अर्पित किए तदोपरान्त विद्यालय की छात्राओं ने गुरुदेव के गीत 'एकला चलो रे' पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। विद्यालय की संयोजिका संचिता त्रिवेदी ने गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर का संक्षिप्त जीवन परिचय देते हुए बताया कि गुरू जी विश्वविख्यात कवि,साहित्यकार,और दार्शनिक थे ,उन्होंने अपनी पहली कविता आठ

वर्ष की आयु में लिखी और मात्र सोलह वर्ष की आयु में उनकी प्रथम लघुकथा प्रकाशित हुई थी। वह पहले भारतीय हैं जिन्हे 1913 ई0 में महाकाव्य गीतांजलि की रचना के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया। बंगलादेश का राष्ट्रगान 'आमार सोनार बांग्ला ' व भारत देश का राष्ट्रगान 'जन गण मन' गुरुदेव की ही देन है।गुरुदेव द्वारा स्थापित किया गया विश्व भारती विश्वविद्यालय उनके प्रकृति प्रेम का अनूठा उदाहरण है। प्रधानाचार्य शिवलखन प्रजापति ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि गुरुदेव रवीन्द्रनाथ एक ऐसे व्यक्तित्व हैं, जिनसे प्रेरणा लेकर लोग सफलता के उच्चतम शिखर पर पहुँच सकते हैं। गुरुदेव ने लोगों को सदैव गलतियों से प्रेरणा लेते हुए, उन्हें दोहराये बिना सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।हम सभी को गुरुदेव के व्यक्तित्व और कृतित्व से प्रेरणा लेते हुए सतत ऊर्जावान बने रहने का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय के उप–प्रधानाचार्य मो. फैज़ान खान, शिवकरन पाल, शाहीन खान, धर्मेंद्र शुक्ला,अभिषेक श्रीवास्तव, आरजू यादव, रामदेव, अभिषेक भारद्वाज, पिंकी जायसवाल, एवं गिरीश श्रीवास्तव सहित सभी शिक्षक/शिक्षिकाएं,विद्यार्थी एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

सरकारी भवनों से पालिका करेगी करोड़ों की वसूली, होगा विकास

उरई/जालौन,(यूएनएस)। पालिका राजस्व बढ़ाने के लिए अब सरकारी भवनों और व्यावसायिक भवनों को चिह्नित कर रही है। सूची में जिला अस्पताल के साथ बिजली विभाग को शामिल किया गया है। कर निर्धारण की जानकारी जुटाने के लिए बिजली विभाग को नोटिस भी जा चुका है। उनसे भवनों और बिजली घरों की सूची मांगी गई है। नगर पालिका शहर के अंदर बने उन सरकारी और गैर सरकारी भवनों को चिह्नित कर रही है, जिनका कर बढ़ना है। इस सूची में इस बात का भी ध्यान रखा जा रहा है कि जिनका कर एक लाख से अधिक बढ़ना है, उन्हें सूची में पहले जगह दी जा रही है। ताकि राजस्व में पालिका को अधिक मुनाफा हो सके। फिलहाल पालिका अभी नोटिस भेजेगा। आंकड़ा मिल जाने के बाद कर निर्धारित किया जाएगा। बिजली विभाग को नगर पालिका के कर विभाग से एक महीने पहले नोटिस भेजा जा चुका है। इसमें अधिशासी अभियंता प्रथम से शहर के अंदर पालिका की जद में आने वाले भवनों और बिजली घरों की सूची मांगी गई है। पालिका ने यह कार्रवाई एक महीने पहले की थी, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं आने पर पालिका फिर से अधीक्षण अभियंता और अधिशासी अभियंता को नोटिस भेज रहा है। ताकि समय पर सही जवाब और स्थानों का पता चल सके। इसके बाद कर बढ़ाने की कार्रवाई होगी। पालिका के गैर जिम्मेदारी रवैया के चलते अभी तक इन भवनों से कोई कर नहीं लिया जा रहा था। अब इन्हें कर के दायरे में लाने की कोशिश पालिका कर रही है। पालिका के कर विभाग की मानें तो शहर के अंदर सात से आठ स्थान पर बिजली विभाग के बिजली घर, कर्मियों के आवास व कार्यालय बने हैं। इसके अलावा कालपी रोड, जालौन रोड व कोंच बस स्टैंड के आसपास बने बिजली विभाग के कार्यालय और बिजली घरों का क्षेत्रफल काफी बड़ा है। अगर सब का आंकड़ा मिल जाए तो साल का एक करोड़ तक कर वसूली जा सकता है। इससे पालिका के राजस्व में अच्छी खासी बढ़त होगी और शहर के विकास में अहम योगदान मिलेगा। शहर में बने जिला अस्पताल, महिला अस्पताल और सीएमओ ऑफिस पर अभी तक पालिका न के बराबर कर वसूली करती थी। सालाना 300 से लेकर 500 रुपये कर आता था। दो साल पहले पालिका ने कर बढ़ा दिया है। शहर की सभी घरेलू, व्यावसायिक और सरकारी भवनों से कर बढ़ा कर लिया जा रहा है। इसी के तहत अब अस्पतालों का भी कर बढ़ना है।

भव्य प्रभात

विवाह की गरिमा

देश की शीर्ष अदालत को यदि विवाह जैसे बेहद व्यक्तिगत मामले में परामर्श देना पड़ा है, तो इसका अभिप्राय यही है कि इसके मूल स्वरूप से तेजी से खिलवाड़ हुआ है। कोर्ट को सख्त लहजे में यहां तक कहना पड़ा कि विवाह यदि सप्तपदी यानी फेरे जैसे उचित संस्कार और जरूरी समारोह के बिना होता है तो वह अमान्य ही होगा। निश्चित रूप से अदालत ने यह बताने का प्रयास किया कि इन जरूरी परंपराओं के निर्वहन से ही विवाह की पवित्रता और कानूनी जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। दरअसल, हाल के वर्षों में विवाह समारोहों के आयोजन में पैसे के फूहड़ प्रदर्शन व तमाम तरह के आडंबरों को तो प्राथमिकता दी जा रही है, लेकिन परंपरागत हिंदू विवाह के तौर–तरीकों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। आज से कुछ दशक पूर्व हिंदी फिल्मों में हास्य पैदा करने के लिये विवाह से जुड़ी परंपराओं का जिस तरह का मजाक बनाया जाता था, आज कमोबेश वैसी स्थिति समाज में भी बनती जा रही है। वर–वधू द्वारा अपने जीवन के एक महत्वपूर्ण अध्याय को शुरू करने के वक्त विवाह के आयोजन में जो शालीनता, गरिमा व पवित्रता होनी चाहिए, उसे खारिज करने की लगातार कोशिशें की जाती रही हैं। यही वजह है कि अदालत को याद दिलाना पड़ा कि हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के अंतर्गत विवाह की कानूनी जरूरतों तथा पवित्रता को गंभीरता से लेने की जरूरत है। जिसके लिये पवित्र अग्नि के चारों ओर लगाये जाने वाले सात फेरे जैसे संस्कारों व सामाजिक समारोह से ही विवाह को मान्यता मिल सकती है। निश्चित रूप से आज विवाह संस्कार की गरिमा को प्रतिष्ठा दिये जाने की जरूरत है। यानी विवाह सिर्फ प्रदर्शन नहीं है। विवाह मजबूरी का समझौता भी नहीं हो सकता। निश्चित रूप से भारतीय जीवन पद्धति में विवाह महज महत्वपूर्ण संस्कार ही नहीं है बल्कि नवदंपति के जीवन के नये अध्याय की शुरुआत भी है। जिसे हमारे पूर्वजों ने बेहद गरिमा व सम्मान के साथ पीढ़ी–दर–पीढ़ी आगे बढ़ाया है। आज हम भले ही कितने आधुनिक हो जाएं, विवाह से जुड़ी अपरिहार्य परंपराओं को नजरअंदाज कदापि नहीं कर सकते।निश्चित रूप से विवाह को औपचारिक रूप से मान्यता देने के लिये पंजीकरण आदि के उपाय इस रिश्ते को अपेक्षित गरिमा देने में विफल ही रहे हैं। यही वजह है कि शीर्ष अदालत में न्यायाधीश को कहना पड़ा कि सात फेरों का अर्थ समझे बिना हिंदू विवाह की गरिमा को नहीं समझा जा सकता। यह भी कि हिंदू विवाह सिर्फ नाचने–गाने तथा पार्टीबाजी की ही चीज नहीं है, यह एक गरिमामय संस्कार है। उसके लिये सामाजिक भागीदारी वाला जरूरी विवाह समारोह भी होना चाहिए। यानी महज पंजीकरण से विवाह की वैधता पर मोहर नहीं लग जाती। निस्संदेह, निष्कर्ष यही है कि पैसा पानी की तरह बहाकर तमाम तरह के आडंबरों को आयोजित करने के बजाय विवाह के मर्म को समझना होगा। इसके बावजूद देशकाल व परिस्थितियों के अनुरूप विवाह पंजीकरण की जरूरत को भी पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। हमें यह भी स्वीकारना होगा कि 21वीं सदी का भारतीय समाज बदलते वक्त के साथ नई चाल में ढला है। नई पीढ़ी की कामकाजी महिलाएं आज आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हुई हैं और अपनी शर्तों पर विवाह की परंपराओं को निभाने की बात करती हैं। जिसके चलते विवाह संस्था को लेकर कई अदालतों के फैसले सामने आए हैं, जिनकी तार्किकता को लेकर समाज में बहस चलती रहती है। जिसमें कई कर्मकांडों पर नये सिरे से विचार–विमर्श की जरूरत बतायी जाती रही है। मसलन कुछ कथित प्रगतिशील लोग कन्यादान व सिंदूर लगाने की अनिवार्यता को लेकर किंतु–परंतु करते रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद हमें न्यायालय की चिंताओं पर चिंतन तो करना ही चाहिए। यह सवाल रूढ़िवादिता का नहीं है।

स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी गंभीर मामला

स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने का सिलसिला तो थमने का नाम नहीं ले रहा है, दिन पर दिन स्कूल को बम से उड़ाने के मेल लगातार आ रहे हैं, लेकिन अभी तक ये नहीं पता लग पाया है कि आखिर ये मेल कौन कर रहा है, बच्चे अभी–अभी भी डरे हुए है सहमे हुए हैं। अभिभावकों के अंदर भी उतना ही डर है, लेकिन ये डर सिर्फ अब दिल्ली–यूपी के स्कूल के बच्चे के अंदर ही नहीं अब ये डर गुजरात के स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों के अंदर भी आ गया है। बीती 6 मई को अहमदाबाद के 23 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इस धमकी की खबर सार्वजनिक होते ही विद्यार्थियों और अभिभावकों में दहशत फैल गई। इस धमकी पर गंभीरता से पुलिस–प्रशासन ने जांच की और स्कूलों को खाली करा कर स्कूलों की तलाशी ली गई। हालांकि यह धमकी केवल अफवाह मात्र निकली। हालांकि इस बाबत भी पुलिस की जांच जारी है। देश के कई राज्यों के स्कूलों और एयरपोर्ट्स को बम से उड़ाने की धमकी लगातार मिल रही है। जगह–जगह पुलिस की तैनाती है और राज्यों को हाईअलर्ट पर रखा गया है। स्कूलों को मिल रही धमकियों के कारण बच्चों के अभिभावक भी डरे हुए हैं। स्कूल प्रशासन भी अलर्ट पर हैं। इससे पहले भी कई अस्पतालों और पटना के राजभवन को भी बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। अहमदाबाद की तरह ही पिछले दिनों राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली–नोएडा के 222 स्कूलों को बम से उड़ा देने की धमकी ने एकबारगी माहौल में सनसनी और डर फैल गया था। सूचना मिलते ही अभिभावक घर से भागे, दफ्तर का काम छोड़ा और स्कूलों की तरफ बदहवास दौड़े, ताकि अपने बच्चों को सकुशल घर वापस ला सकें। सडकों पर सायरन बज रहे थे। फायर ब्रिगेड की गाडियां भी भाग रही थीं। दिल्ली पुलिस के बम निरोधक दस्तों, श्वान दस्तों और अन्य जांच इकाइयों ने अपने–अपने मोर्चे संभाल लिए थे। दिन की शुरुआत किसी बड़े हादसे की संभावनाओं के साथ हुई थी। धमकी मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने पड़ताल की तो पता चला कि ई–मेल जिस आइडी से भेजा गया था उसका कनेक्शन भारत से नहीं था. इस सप्ताह की शुरुआत में दिल्ली पुलिस ने रशियन मेलिंग सर्विस कंपनी मेल डॉट आर यू से संपर्क किया और इंटरपोल के जरिए धमकी भेजने वाले ई–मेल की जानकारी मांगी। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने सीबीआई से भी मदद मांगी है। दिल्ली में स्कूलों को जिस ई–मेल के जरिए धमकी दी गई थी, उसने वीपीएन का सहारा लिया था। वीपीएन यानी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क के जरिए धमकी देने वाला शख्स अपनी पहचान छिपाना चाहता था। हालांकि पुलिस लगातार उसका पता लगाने की कोशिश में जुटी हुई है। अब अहमदाबाद के स्कूलों को धमकी देने का भी विदेशी कनेक्शन निकल रहा है. हालांकि अभी तक ये साफ नहीं हुआ है कि गुजरात के स्कूलों को कहां से धमकी दी गई है और क्या इसका भी रूस से ही कोई कनेक्शन निकल रहा है? साजिशकार कहीं बैठकर भी ये मेल भेज सकते थे। रूस में होना जरूरी नहीं है। रूस भारत के खिलाफ किसी 'हत्यारी साजिश' में शामिल क्यों होगा? क्या यह किसी आतंकी हमले का पूर्वाभ्यास भी हो सकता है? राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और नोएडा के अलावा बेंगलुरु, कोलकाता और चेन्नई सरीखे महानगरों के स्कूलों में भी ऐसी फर्जी और अफवाह वाली मेल भेजी जा चुकी हैं। क्या आतंकी ताकतें हमारी व्यवस्था को सचेत कर, अंततरू लापरवाह कर देना चाहती हैं, ताकि असल हमला किया जा सके। बेशक 8 घंटों की मशक्कत के बाद पुलिस और गृह मंत्रालय इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि सब कुछ फर्जी था, अफवाह थी, लेकिन 2 लाख से अधिक स्कूली बच्चों की सुरक्षा दांव पर है। दिल्ली में आतंकी हमले होते रहे हैं, बेशक मोदी सरकार में वे नगण्य हो गए हैं। ऐसी अफवाहें भी 'साइबर अपराध' का हिस्सा हैं, जिसके खिलाफ कार्रवाई के लिए सीमापार पुलिस को भी सक्रिय होने की जरूरत है। बीती 26 अप्रैल को सुरक्षा एजेंसियों को ईमेल मिला था कि देश के चार अलग–अलग हवाई अड्डों पर बम रखे गए हैं। जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, जिसके बाद हडकंप मच गया। हवाई अड्डे के अधिकारिक फीडबैक आईडी पर दोपहर में धमकी का ईमेल आया था। इसके बाद हवाई अड्डे के सुरक्षाकर्मियों और बम निरोधक दस्ते ने सर्च ऑपरेशन चलाया। साइबर टीम भी मौके पर पहुंची। ईमेल में कहा गया था कि हवाई अड्डे के प्रवेश द्वार पर बम रखा गया है। मेल में लिखा था कि मैं बेंगलुरु में बैठा हूं पकड़ सको तो पकड़ लो। उल्लेखनीय है कि पिछले चार महीने में इस तरह की यह तीसरी धमकी है। जानकारी मिलते ही हवाईअड्डों की गहन जांच की गई और बाद में ये धमकी अफवाह निकली। अहमदाबाद और दिल्ली–एनसीआर में जो कुछ भी हुआ है, वह धडकनें रोक देने वाला प्रकरण है। एक तरफ मौत की धमकी थी, तो दूसरी ओर गृह मंत्रालय और पुलिस दहशत में न आने की बात कह रहे थे। शुक्र है कि मेल फर्जी, अफवाहपूर्ण साबित हुई, लेकिन बड़ी त्रासदी भी हो सकती थी। इन स्कूलों में 2 लाख से अधिक बच्चे पढ़ते हैं, अध्यापक और कर्मचारी भी हैं। यदि वाकई बम रखे होते और वे विस्फोट कर जाते, तो कल्पना करते हुए भी मन सिहरने लगता स्कूलों को जो ईमेल भेजे गए हैं। उसमें नफरती भाषा का इस्तेमाल किया गया। ईमेल में लिखा है कि हमारे हाथों में जो लोहा है। वह हमारे दिलों को गले लगाता है। इंशाअल्लाह, हम इन्हें हवा में उड़ा कर तुम्हारे शरीर के टुकड़े–टुकड़े कर देंगे। तुम्हारे घिनौने शरीरों को चीर देंगे। हम तुम्हारी गर्दन और चेहरे को फाड़ देंगे। अल्लाह की मर्जी हुई तो हम तुम्हें आग की लपटों में डाल देंगे। जिससे तुम्हारा दम घुट जाएगा। काफिरों के लिए जहन्नुम में अलग आग है। काफिरों... इंशाअल्लाह, तुम इसी आग में हमेशा के लिए जल जाओगे। लिहाजा साफ संकेत है कि किस जमात ने वह मेल भेजी होगी! वहीं, जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि ये ईमेल कहां से भेजे गए हैं। प्राथमिक जांच में जानकारी सामने आई है कि धमकी का ईमेल रूस से आया है। इन ई–मेल के मूल तक पहुंचना या साजिशकार का चेहरा चिह्नित करना लगभग 'असंभव' है, क्योंकि ई–मेल भेजने के बाद अकाउंट ही समाप्त कर दिया गया है। साजिशकार एक से दूसरे देश में चले गए होंगे! सीमापार जांचों और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य को साझा करने की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था ही लगभग गायब है। यह सभी देशों के लिए गंभीर चुनौती है। पाकिस्तान में फर्जी सिलसिलों के बाद अचानक पेशावर के स्कूल पर आतंकी हमला किया गया था, जिसमें करीब 140 मासूम छात्र मारे गए थे। पाकिस्तान को तो हम आतंकवाद की पनाहगाह मान सकते हैं, लिहाजा ऐसे हमले की कल्पना भी कर सकते हैं, लेकिन हमारे कोलकाता के करीब 200 सरकारी और निजी स्कूलों को इसी अप्रैल में ही, ई–मेल के जरिए, बम–विस्फोट की धमकी दी गई थी। 1 दिसंबर, 2023 को बेंगलुरु के 48 स्कूलों में बम की अफवाह फैलाई गई थी। फरवरी, 2024 में चेन्नई के 13 स्कूलों को ऐसी ही धमकी भेजी गई थी। इससे पहले बीती 12 फरवरी 2024 को दिल्ली के पुष्प विहार में स्थित एमिटी स्कूल को बम से उड़ने की धमकी मिली थी। सूचना के बाद स्कूल को खाली कराया गया। इससे पहले पिछले साल 16 मई को दिल्ली के साकेत के पुष्प विहार स्थित अमृता पब्लिक स्कूल में बम रखे होने की सूचना मिली थी। क्या स्कूल ही किसी संगठन या साजिशकार के आसान निशाने पर हैं? सुरक्षा एजेंसियों और स्कूल प्रशासन को सतर्क रहने की जरूरत है। –लेखक राज्य मुख्यालय पर मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।

कर्मचारी चुनाव ड्यूटी में गए, बैंकों पर लटके ताले

हाथरस। कर्मचारी लोकसभा चुनाव के मतदान की ड्यूटी में गए तो जिले की कई बैंक शाखाओं पर ताले लटक गए। यहां लेन–देन संबंधी जरूरी कार्यों से पहुंचे ग्राहकों को मायूस होकर लौटना पड़ा। चूंकि मंगलवार को मतदान के चलते बैंक बंद रहेंगे, इसलिए लोगों को अपने काम निपटाने के लिए बुधवार तक इंतजार करना पड़ेगा। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव के मतदान में ज्यादातर बैंकों के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। सोमवार को चूंकि पोलिंग पार्टियों की रवानगी हुई, इसलिए चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारी बैंकों से नदारद रहे। जिले की कई बैंक शाखाओं पर ताले लटके रहे, जबकि रविवार की छुट्टी रहने के कारण सोमवार को बड़ी संख्या में ग्राहक लेन–देन संबंधी कार्यों के लिए बैंक पहुंचे थे, लेकिन वहां ताला देखकर उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ा। पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में रुपये जमा करने गया था। वहां ताला लटका देख काफी परेशानी हुई। गर्मी में वापस लौटना पड़ा। अब पता चला कि मंगलवार को मतदान के लिए बैंक बंद रहेगा। –हरेंद्र जादौन निवासी सासनी मुझे रुपयों की आवश्यकता थी। मैं पीएनबी से रुपये निकालने गई तो वहां ताला लटका था। पता चला कि अधिकारी एवं कर्मचारियों की ड्यूटी मतदान में लगी है। काफी परेशानी हुई। इतनी गर्मी में बुरा हाल हो गया। –श्वेता सिंह निवासी सासनी मुझे शनिवार को ही बैंक का काम था, लेकिन सोचा कि सोमवार को कर लूंगी, लेकिन सोमवार को बिना किसी सूचना के ही बैंक बंद हो गया। काम में दिक्कत तो हुई है। अब तो बुधवार को ही काम निपटाऊंगी। –हिना अग्रवाल निवासी हाथरस आज पता चला कि सरकारी बैंक से प्राइवेट बैंक अच्छे हैं। इस तरह के समय में बैंक बंद नहीं होते। सोमवार को शहर की लगभग सभी बैंक शाखाओं पर ताले लटके रहे। कुछ बैंक खुले हैं तो वहां कोई काम करने वाला नहीं है। –नवीन कुमार निवासी गिजरौली

हतीसा पुल होकर निकलीं बसें, यात्री रहे परेशान

हाथरस। लोकसभा चुनाव के लिए आगरा रोड स्थित एमजी पॉलीटेक्निक से पोलिंग पार्टियों की रवानगी के मद्देनजर आगरा–अलीगढ़ राजमार्ग से रोडवेज बसों और अन्य भारी वाहनों का मार्ग परिवर्तित रहा। आगरा और अलीगढ़ की तरफ जाने वाली रोडवेज बसें मथुरा रोड पर बाईपास के हतीसा पुल से होकर निकाली गईं। इधर, शहर के रोडवेज बस स्टैंड सहित अन्य ठहराव स्थलों पर यात्री बसों के इंतजार में परेशान रहे। मार्ग परिवर्तन की जानकारी होने पर यात्रियों को बस पकड़ने के लिए बाईपास के आगरा रोड स्थित नगला भुस, अलीगढ़ रोड स्थित रुहेरी, मथुरा रोड स्थित हतीसा कट और इगलास रोड कट तक दौड़ लगानी पड़ी, जिससे उन्हें अतिरिक्त समय और पैसा भी खर्च करना पड़ा। आगरा रोड स्थित एमजी पॉलीटैक्निक पर सुबह छह बजे से ही पोलिंग पार्टियों की रवानगी के लिए कर्मचारियों का आगमन शुरू हो गया था। इसके मद्देनजर पुलिस ने सुबह से ही बड़े वाहनों का आवागमन इस रास्ते से बंद कर दिया। रोडवेज बसों तक को यहां से गुजरने नहीं दिया गया। इसके चलते आगरा रोड पर जाने वाले व वहां से आने वाले वाहनों को मथुरा रोड के हतीसा पुल का रास्ता लेना पड़ा। इसके चलते वाहनों को लगभग चार किलोमीटर का अतिरिक्त फेरा लगाना पड़ा। रोडवेज बस स्टैंड से मीतई तक के यात्रियों को खासी दिक्कत झेलनी पड़ी। उन्हें बीच रास्ते से वाहन नहीं मिले। इसके लिए उन्हें रोडवेज बस स्टेंड या नगर भुस तक की दौड़ लगानी पड़ी। मंगलवार शाम पांच बजे के बाद आगरा रोड पर बड़े वाहनों का आवागमन रोक दिया जाएगा। सभी पोलिंग पार्टियों के पॉलीटैक्निक मैदान तक पहुंचने के बाद ही आगरा रोड मार्ग पर वाहनों का आवागमन शुरू हो सकेगा। वाहनों के लौटने से बार–बार लगा जाम आगरा रोड पर बैरिकेडिंग से वाहनों को मोड़ा गया। इसके चलते आगरा रोड पर डीआरबी इंटर कॉलेज और गिजरौली की ओर बार–बार जाम लगता रहा। इस दौरान बार–बार पुलिस को जाम खुलवाने में मशक्कत करनी पड़ी। पोलिंग पार्टियां को लेकर रवाना होने वाले वाहन भी आगरा रोड पर आपस में बार–बार उलझे। इसके चलते यहां जाम की स्थिति पैदा हुई, लेकिन पुलिस को मशक्कत के साथ वाहनों को व्यवस्थित कर निकालना पड़ा।

बूथों पर पोलिंग पार्टियों को मिली अव्यवस्था, रेंग रहे पंखे, उखड़ा फर्श, मोबाइल की लाइट का सहारा

हाथरस। कुछ केंद्रों पर विद्युत व्यवस्था नहीं मिली तो कहीं पार्टियों को बूथ से करीब 800 मीटर दूर ही बसों ने उतार दिया। सासनी के संविलियन विद्यालय समामई बूथ के संख्या 131 पर मोबाइल फोन की टॉर्च की रोशनी में काम करते मतदान कर्मी का वीडियो सामने आया है। हाथरस लोकसभा चुनाव को लेकर शाम को पोलिंग पार्टियां बूथों पर पहुंची। पोलिंग पार्टियों को अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ा। कुछ केंद्रों पर विद्युत व्यवस्था नहीं मिली तो कहीं पार्टियों को बूथ से करीब 800 मीटर दूर ही बसों ने उतार दिया। सासनी के संविलियन विद्यालय समामई बूथ के संख्या 131 पर मोबाइल फोन की टॉर्च की रोशनी में काम करते मतदान कर्मी का वीडियो सामने आया है। केस नंबर –1 कस्बा सहपऊ में बनाए गए मतदान केंद्र जनता इंटर कॉलेज में पंखे ठीक तरह से नहीं चल रहे थे। हर कमरे में दो पंखे लगे थे। इनमें एक सही तो दूसरा धीमि गति से चल रहा था। यहां पोलिंग पार्टी को परेशानी का सामना करना पड़ा। केस नंबर–2 हाथरस से एक बस में महरारा एवं सेदरिया गांव के लिए पोलिंग पार्टी आई थी। चालक ने सेदरिया मतदान केंद्र से 800 मीटर पहले उन्हें उतार दिया। कर्मियों का कहना था कि बस जाने के लिए रोड बनी हुई थी। गर्मी में पोलिंग पार्टी अपना सामान लेकर 800 मीटर पैदल चल कर मतदान केंद्र पहुंची। केस नंबर–3 गांव महरारा में बनाए गए मतदान केंद्र केएस इंटर कॉलेज में किसी बूथ पर छत के पंखे नहीं लगे थे। कुछ बूथ का फर्श भी उखाड़ा पड़ा था। सभी मतदान केंद्रों पर सोने के लिए गद्दे आदि की देर शाम तक व्यवस्था नहीं हो पाई थी।

मतदान कार्मिकों को द्वितीय प्रशिक्षण का जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने निरीक्षण किया

शाहजहांपुर। लोकसभा सामान्य निर्वाचन व विधानसभा उप निर्वाचन ददरौल के लिए सेंट पॉल्स इंटर कालेज में मतदान कार्मिकों को द्वितीय प्रशिक्षण का जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने निरीक्षण किया।

डीएम की ओर से घर-घर पहुंचेगा आमंत्रण-पत्र

भेज रहे हैं स्नेह निमंत्रण, मतदाता तुम्हें बुलाने को।13 मई को भूल न जाना, वोट डालने आने को।

लखीमपुर खीरी। जैसे–जैसे मतदान की तिथि नजदीक आती जा रही है, वैसे–वैसे मतदाता जागरूकता अभियान परवान चढ़ने लगा है। लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 अन्तर्गत 28ऋखीरी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र और 29ऋधौरहरा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए 13 मई को होने वाले मतदान में शत–प्रतिशत मतदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित कराये जाने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी, डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अभिनव पहल के तहत घर–घर ष्मतदाता आमंत्रण पत्रष् भेजा जा रहा। इसी कड़ी में सोमवार को डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने इलेक्शन आईकॉन शिक्षक एसपी सिंह को बड़ी संख्या में मतदान दिवस पर मतदाताओ को आमंत्रित किए जाने वाले आमंत्रण पत्र सौपे। इस दौरान डीएम को एसपी सिंह द्वारा तैयार ष्मतदाता जागरूकता पोस्टरष् की न केवल लाइन लांचिंग की बल्कि इसे अपने दफ्तर की दीवारों पर स्थान दिया। डीएम से प्राप्त आमंत्रण पत्र को एसपी सिंह ने मतदाताओ को प्रदान कर उनसे मताधिकार का प्रयोग किए जाने की अपील की। डीएम ने जनपद वासियों से लोकतंत्र के महापर्व 13 मई को अपने अपने बूथों पर पहुंचकर मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस पर्व पर जनपद वासियों व विशेषकर युवा मतदाताओं का बढ़–चढ़कर अपनी मताधिकार का प्रयोग करें। बताते चलें कि जिले में शत–प्रतिशत मतदान के लिए जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में स्वीप जागरुकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है।मतदान निमंत्रण पत्र वितरण के दौरान कई मतदाताओं ने बताया कि यह निमंत्रण उन्हें विभिन्न सोशल प्लेटफॉर्म के जरिए भी मिल चुका है। कई मतदाता ने कहा, उन्हें उम्मीद नहीं थी कि मतदान के लिए डीएम उन्हें स्वयं निमंत्रण पत्र भेजेंगे।डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने जिला पूर्ति अधिकारी अंजनी कुमार सिंह से अबतक निमंत्रण पत्र वितरण की प्रगति जानी। उन्होंने कोटेदारों के जरिए गांव के गली–मोहल्लों में एक–एक घर तक निमंत्रण कार्ड भिजवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निमंत्रण वितरण का पर्यवेक्षण क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी एवं पूर्ति निरीक्षकों से कराने को कहा। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा परिषदीय विद्यालयों के छात्र–छात्राओं के माध्यम से आमंत्रण पत्र उनके घरों को भिजवाएं जा रहे है। जबकि शासकीय चिकित्सालयों में आने वाले मरीजों को ओपीडी के पर्चे के साथ आमंत्रण पत्र का वितरण भी किया जायेगा। इसी प्रकार नगर निकायों द्वारा सेवित क्षेत्र अन्तर्गत आने वाले घरों में तथा बैंकों द्वारा अपने काउण्टर्स के माध्यम से मतदाता आमंत्रण पत्र का वितरण किया जायेगा।

मतदाता जागरूकता अभियान के अन्तर्गतनुक्कड़ नाटक का आयोजन किया

शाहजहांपुर। नगर निगम द्वारा "मतदाता जागरूकता अभियान" के अन्तर्गत मंथन आर्ट्स सोसायटी के कलाकारों द्वारा दिनांक–06.05.2024 को सायं 5.30 बजे से "अग्रसेन चौराहा, केरुगंज" पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक के साथ ही सभी से अपील की गई कि वोटर को जागरूक करने के लिए और शत प्रतिशत वोट डालने के लिए जिला प्रशासन एवं नगर निगम शाहजहांपुर का भरपूर सहयोग करें और एक अच्छी सरकार चुनें। इस अवसर पर नगर आयुक्त डॉव बिपिन कुमार मिश्र द्वारा सभी को अधिक से अधिक मतदान करने की शपथ दिलाई गई। कलाकारों में सुमित सक्सेना, शंकर लाल, वरुण कुमार, रचिन कुमार, पारस दीक्षित, सोनू सक्सेना आदि रहे। इस मौके पर उप नगर आयुक्त संगीता कुमारी, सैफ सिद्दीकी, शिवा सक्सेना, सौरभ तिवारी, आकाश आनन्द, आशुतोष आनन्द के अतिरिक्त पार्षद अनूप गुप्ता व अधिक संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

बूथों पर पहुंचीं 2190 पोलिंग पार्टियां, हाथरस में मतदान 7 मई को, जिले की सीमाएं सील

हाथरस। हाथरस जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में मतदान कराए जाने के लिए 6 मई की सुबह से एमजी पॉलीटेक्निक परिसर में पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी प्रथम, मतदान अधिकारी द्वितीय, मतदान अधिकारी तृतीय पहुंचना शुरू कर दिया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिसकर्मी भी पोलिंग पार्टी के साथ रवाना हुए। हाथरस लोकसभा चुनाव के लिए जिले में 7 मई को तीसरे चरण में होने वाले मतदान के लिए 6 मई को 2190 पोलिंग पार्टियों को कड़ी सुरक्षा के बीच हाथरस के एमजी पॉलीटेक्निक परिसर व अलीगढ़ की धनीपुर मंडी से रवाना किया गया। पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों के जवानों को भी उनके साथ भेजा गया। देर शाम तक सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट पोलिंग पार्टियों के बूथों पर पहुंचने की रिपोर्ट लेते रहे। बुधवार की सुबह सात बजे से मतदान शुरू हो जाएगा, जोकि शाम छह बजे तक चलेगा। जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में मतदान कराए जाने के लिए 6 मई की सुबह से एमजी पॉलीटेक्निक परिसर में पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी प्रथम, मतदान अधिकारी द्वितीय, मतदान अधिकारी तृतीय पहुंचना शुरू कर दिया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिसकर्मी भी पोलिंग पार्टी के साथ रवाना हुए। शाम तक सभी बूथों पर पोलिंग पार्टियों के साथ पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों ने भी मोर्चा संभाल लिया। खुफिया तंत्र भी सक्रिय हो गया। मतदान कार्मिकों ने सबसे पहले परिसर में पहुंचकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके बाद मतदान कर्मियों ने एकत्रित होकर कागजी कार्रवाई को पूर्ण कर ईवीएम व वीवीपैट को अपने कब्जे में लिया। दोपहर करीब 12 बजे के बाद से पोलिंग पार्टियां अपने अपने बूथों के लिए रवाना होना शुरू हुई। सभी पोलिंग पार्टियां शाम करीब छह बजे तक अपने अपने बूथों पर पहुंचीं। एमजी पॉलीटेक्निक परिसर से जिले के 1295 बूथों के लिए पोलिंग पार्टियों को रवाना किया गया। तपती गर्मी में भी कम नहीं हुआ जज्बा हाथरस के एमजी पॉलीटेक्निक परिसर में पोलिंग पार्टियों की रवानगी के दौरान गर्मी पूरे शबाब पर रही, फिर भी मतदान कार्मिकों का जज्बा भी कम नहीं रहा। हालांकि धूप तेज होने के चलते कार्मिक छांव की तलाश में लगे रहे। रवानगी स्थल पर लगे शिविरों में कार्मिकों ने डेरा डाल लिया। यहां तक कि पुलिस व्यवस्था के लिए लगे शिविर, प्रेक्षक शिविर, सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेटों के शिविर में भी कार्मिक धूप से बचने के लिए जमे रहे। रवानगी स्थल पर लगे कूलर भी गर्म हवा फेंक रहे थे। इनकी हवा भी कार्मिकों को नहीं भा रही थी। 725 बूथों को होगी वेबकास्टिंग हाथरस जिला प्रशासन की ओर से इस बार लोकसभा चुनाव के लिए जिले में 81 संवेदनशील व छह अति संवेदनशील बूथ बनाए गए हैं। इन पर अतिरिक्त फोर्स लगाया गया है। जिले में 55 फीसदी बूथों की वेबकास्टिंग कराने के निर्देश जारी किए गए हैं। इस हिसाब से जिले में 725 बूथों पर वेबकास्टिंग कराई जा रही है। वेबकास्टिंग के लिए इन सभी बूथों पर नेट डिवाइस के साथ कैमरे लगाए गए हैं। इनकी वेबकास्टिंग का सीधा प्रसारण कलेक्ट्रेट में बने कंट्रोल रूम से देखा जा सकेगा। इसके लिए कार्मिकों की तैनाती इन बूथों पर कर दी गई है। दूसरी ओर वेबकास्टिंग की निगरानी के लिए कलेक्ट्रेट में बनाए गए कंट्रोल रूम पर भी कार्मिकों को तैनात कर दिया गया है।

यह रहेगी फोर्स तैनात सीआईएसएफ, एसएसबी, पंजाब पुलिस आदि 16 कंपनियां पीएसी – दो कंपनियां निरीक्षक – 72 उप निरीक्षक– 185 मुख्य आरक्षी व आरक्षी– 2643 होमगार्ड जवान – 2338 कुल जवान – 5300 जिले की सीमाएं की गईं सील मतदान को लेकर जिले की सभी सीमाओं को देर शाम से सील कर दिया गया। सभी सीमाओं पर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी तैनात रहे। यहां तक कि पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा वाहनों को चेकिंग के बाद ही हाथरस की सीमा में प्रवेश दिया गया।